कृपया प्रकाशनार्थ - **24 जुलाई 2009**

उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक फिर से प्रकाशित करने की भाजपा की माँग

मुंबई, शुक्रवार : देश में छायी महंगाई की गंभीरता ध्यान में आए इसलिए सरकार ने फिर एक बार खुदरा विक्री मूल्य पर आधारीत उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक प्रकाशित करना प्रारंभ करना चाहिए ऐसी माँग पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री.राम नाईक तथा भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद श्री.प्रकाश जावडेकर ने गुरुवार को प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह से की. साथ ही साथ इस विषय पर प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री श्री. पृथ्वीराज चव्हाण से विस्तार से चर्चा की.

युपीए सरकार ने पिछले वर्ष उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक प्रकाशित करना बंद किया और उसके बदले केवल थोक दामों के आधार से महंगाई निर्देशांक की घोषणा करना शुरु किया. किंतु इस नयी पध्दती के कारण देश की आर्थिक स्थिती का वास्तव 'आम आदमी' समझ नहीं पाता. महंगाई निर्देशांक कम होते होते केवल (-) 1.21 होने के बावजूद भी रोजमर्रा की आवश्यक चीजें इतनी महंगी क्यों इस उलझन में 'आम आदमी' फस जाता है. आँकडों का खेल दिखा कर सरकार दुनिया के ऑखों में धूल झोंक कर सब कुछ 'कुशल-मंगल' है ऐसा झूठा चित्र निर्माण कर रही हैं. अर्थव्यवस्था पारदर्शी हो इसलिए थोक मूल्यों के बदले खुदरा बाजार के दामों पर आधारीत उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक प्रकाशित करना चाहिए, ऐसा सुझाव श्री.राम नाईक व श्री.प्रकाश जावडेकर ने प्रधानमंत्री को दिया.

वास्तविकता की ओर डा.मनमोहन सिंह का ध्यान खींचने के लिए श्री.राम नाईक व श्री.प्रकाश जावडेकर ने उन्हे जीवनावश्यक वस्तूओं के बढते दामों की मुंबई के बझार की तुलनात्मक सूचि ही सौंप दी. इस तालिका से स्पष्ट होता है कि महंगाई निर्देशांक (-) 1.21 तक गिरने के बावजूद गेंहू (144%), चावल (150%), तूर दाल (233 %), मूग दाल (183%), मसूर दाल (255%), गूड़ (171%), आलू (150%), प्याज (167%), टमाटर (122%) के दामों में हद से ज्यादा बढौतरी हुअी है. रोजमर्रा की एक भी चीज ऐसी नही जो सस्ती हुअी हो; उल्टा दाम बढते ही जा रहे है. इस परिस्थिती पर 'अर्थतज्ञ' डा.मनमोहन सिंह गौर कर 'प्रधानमंत्री' के नाते सही निर्णय करें ऐसा अनुरोध भी श्री.राम नाईक तथा श्री.प्रकाश जावडेकर ने किया.

श्री.राम नाईक तथा श्री.प्रकाश जावडेकर ने बढते दामों पर काबू रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया. उन्होने प्रधानमंत्री को कहा कि देश के कुछ प्रदेशों में इस वर्ष कम मात्रा में बारीश होने का डर है जिसके चलते उपज भी कमही होगी. भाजपा नेताओं को डर है की कालाबझार करनेवाले इस समस्या का लाभ लेकर अनाज की अफरातफरी करेंगे. श्री.नाईक व श्री.जावडेकर ने प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह से आग्रह किया कि जीवनावश्यक वस्तुएं आम आदमी को पुरी मात्रा में मिलें इसलिए वें सार्वजनिक वितरण प्रणाली में युध्दस्तर पर सुधार करें.

(कार्यालय मंत्री)

संलग्न : (1)

जीवनावश्यक वस्तुओं के बढते दाम

(सभी दाम मुंबई के दुकानों के हैं - संकलक श्री. राम नाईक)

वस्तू	भाजपा शासन में दाम (प्रति किलो रु.) मई 2004	कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु) जुलाई 2009	वृध्दि(प्रति शत)
गेंहू	9	22	144%
चावल	10	25	150%
शक्कर	14	26	86%
चाय पावडर	80	190	138%
तेल	40 (प्रति लिटर)	88(प्रति लिटर)	120%
डालडा	40	60	50%
तूर दाल	30	100	233%
मूंग दाल	24	68	183%
मसूर दाल	22	78	255%
चना दाल	25	44	76%
गुड़	14	38	171%
बेसन	20	50	150%
आलू	8	20	150%
प्याज	6	16	167%
टमाटर	9	20	122%
दूध	14 (प्रति लिटर)	25(प्रति लिटर)	79%
मिट्टी का तेल	18 (प्रति लिटर)	35(प्रति लिटर)	94%
रसोई गैस	244 (प्रति सिलेंडर)	314(प्रति सिलेंडर)	29%
पाइप नैसर्गिक गॅस	11.53(प्रति एससीएम)	13.60 (प्रति एससीएम)	18%
पेट्रौल	33.15 (प्रति लिटर)	48.78(प्रति लिटर)	47%
डिजल	22.50 (प्रति लिटर)	36.74(प्रति लिटर)	63%
सीएनजी	19.71 (प्रति किलो)	24.65 (प्रति किलो)	25%

(कार्यालय मंत्री)